

05/6/25

पतावली पेस हुई। आखिरता वादी मज वादी
अनुपास्थित। एक-एक कर तीन बार जावाये दिलवादि
गि। समस्त लोग उपम से युक्त हैं। अतः वादी मज
आखिरता वादी के अनुपास्थित रहने पर वादी का वाद
अदम दायरी। अदम पैन्नी में खारिफ किता पाता है।
पतावली मिलत सुमार होकर अब्बद से कम ही।

निष्पत्ति सुवाद गायत।

